

शहर में ढाई घंटे रहेंगे पीएम नरेंद्र मोदी हटाए गए मेन रोड से होर्डिंग व पोस्टर

छह वंदे भारत ट्रेनों समेत कई योजनाओं का करेंगे उद्घाटन, बिष्टुपुर के वोल्तास हाउस से गोपाल मैदान तक करेंगे रोड शो

PHOTON NEWS JSR:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को शहर आ रहे हैं। वे यहां कई महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के सबसे प्रमुख कार्यक्रम में टाटानगर स्टेशन से टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना शामिल है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री वरुंअली झारखंड से होकर गुजरने वाली अन्य पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी रवाना करेंगे। इनमें टाटा-ब्रह्मपुर, हावड़ा-टाटानगर-राउरकेला, हावड़ा-धनबाद-गया, वाराणसी-देवघर, और हावड़ा-दुमका-भागलपुर ट्रेन की शुरुआत शामिल है। पीएम के नगरागमन को लेकर जिला प्रशासन चाक-चौबंद सुरक्षा में जुटा है। एसपीजी के निर्देशन में सारी व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत जुगसलाई से गोपाल मैदान तक बिष्टुपुर मेन



टाटानगर स्टेशन पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए तैयार किया जा रहा मंच

प्रधानमंत्री का कार्यक्रम

प्रधानमंत्री मोदी सुबह 10 बजे सोनारी हवाई अड्डा पर उतरेंगे और 10.30 बजे टाटानगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 से टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस को रवाना करेंगे। इसके अलावा स्टेशन के बाहर पार्किंग क्षेत्र में बने समारोह स्थल से विभिन्न सरकारी योजनाओं का वरुंअली शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इसमें हजारीबाग लाइन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 45 करोड़ की लागत से बनने वाले रेलवे मेट्रोसिस्टम वरुंअली का शिलान्यास प्रमुख है। इसके साथ ही मधुपुर में एक पुल के निर्माण का भी पीएम शिलान्यास करेंगे।

टाटा-पटना वंदेभारत एक्स. में होगी 8 बोगी

जानकारी के अनुसार, टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस में 8 बोगियां होंगी और इसका परिचालन सोमवार को छोड़कर सप्ताह के सभी छह दिन होगा। हावड़ा-गया वंदेभारत एक्सप्रेस में 16 बोगियां होंगी और इसका परिचालन गुरुवार को नहीं किया जाएगा। हावड़ा-गया वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 18 सितंबर से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि अन्य ट्रेनों के परिचालन की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। सभी वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने का कार्य करेंगी और इससे यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधा प्राप्त होगी।

टाटा-ब्रह्मपुर व हावड़ा-राउरकेला वंदेभारत 18 से नियमित चलेगी



JAMSHEDPUR :

टाटा-ब्रह्मपुर-टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस और हावड़ा-राउरकेला-हावड़ा वंदेभारत एक्सप्रेस 18 सितंबर से नियमित चलेगी। रेलवे के सकुंरल के मुताबिक ट्रेन नंबर- 20891 टाटानगर-ब्रह्मपुर वंदेभारत एक्सप्रेस नियमित रूप से 18 सितंबर और ट्रेन नंबर 20892 ब्रह्मपुर-टाटानगर वंदेभारत एक्सप्रेस 19 सितंबर से नियमित चलेगी। इस ट्रेन में 8 कोच होंगे। यह ट्रेन सप्ताह में मंगलवार को छोड़कर बाकी 6 दिन चलेगी। दूसरी ओर टाटानगर से होकर चलने वाली ट्रेन नंबर - 20871/20872 हावड़ा-राउरकेला-हावड़ा वंदेभारत एक्सप्रेस 18 सितंबर से नियमित

उद्घाटन के दिन सुबह 10.15 बजे खुलेगी ट्रेन

टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस उद्घाटन के दिन टाटानगर से सुबह 10.15 बजे खुलेगी और पटना रात 8.15 बजे पहुंचेगी। पीएम ट्रेन को 10.15 बजे झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। टाटानगर से खुलने के बाद हर स्टेशन पर 20 मिनट रुकेगी। इन स्टेशनों पर वंदेभारत एक्सप्रेस का स्वागत होगा। ट्रेन 10.45 बजे चांडिल, 12.20 बजे मुर्शि, 1.35 बजे बोकारो स्टील सिटी, दोपहर 3 बजे गोमो, शाम 4.40 बजे कोडरमा और शाम 6.10 बजे गया पहुंचेगी।

चलेगी। यह ट्रेन भी 8 कोच की होगी। यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी। ट्रेन हावड़ा के बाद खड़गपुर, टाटानगर और चक्रधरपुर में रुकेगी। दुर्गापूजा और दीपावली के पहले यात्रियों को केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली यह बड़ी सौगात होगी।

समाचार सार

घाटशिला कॉलेज की फुटबॉल टीम गठित

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज के पुरुष एवं महिला फुटबॉल टीम का शुक्रवार को गठन किया गया। दोनों टीम कोल्हान विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन एनबीएसएम कॉलेज, जमशेदपुर के संयोजन में 24 से 28 सितंबर के बीच होगा। खेल पदाधिकारी प्रो. विकास मुंडा एवं पीटीआई अर्जुन भुइयां के निर्देशन में दोनों टीमों के 18-18 खिलाड़ियों ने शुक्रवार को ही अभ्यास सत्र में अपने प्रदर्शन के आधार पर स्थाना बनाया। चयन के दौरान प्रचार्य डॉ. आर के चौधरी ने सभी खिलाड़ियों से मिलकर उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल का अपना अनुशासन होता है। अनुशासन को ध्यान में रखकर ही बेहतर खेल का प्रदर्शन करना है।

एनसीईआरटी की मीटिंग में शामिल हुए देवगम

CHAIBASA : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्रावधान के तहत देश के जनजातीय समुदाय के पारंपरिक खेल को पाठ्यक्रम में स्थान देने का प्रयास किया जा रहा है। इस कड़ी में शुक्रवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) शैक्षिक अनुसंधान प्रभाग, नई दिल्ली की ओर से शैक्षणिक रणनीतियों के रूप में स्वदेशी खेलों और खेलों के एकीकरण के एक खोजपूर्ण अध्ययन को लेकर स्वदेशी खेलों और खेलों के मानचित्र पर डेटा संग्रह विषय पर ऑनलाइन मीटिंग हुई, जिसमें चाईबासा स्थित उच्च मध्य विद्यालय, नीमडीह के प्रभारी कृष्णा देवगम भी शामिल थे। इस मीटिंग में देश के सात जनजातीय राज्यों महाराष्ट्र, राजस्थान, असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, केरल के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए जेसीईआरटी के रजनीकांत व अनमोल रंडा एवं बतौर साधनसेवी समीर बाड़ा, प्रवीण सूचित बजराय भी थे। हो जनजाति में प्रचलित स्वदेशी खेलों सेकरो, तीरंदाजी, चूर,कित-कित,गोटी खेल, पिट्टू, लड्डू आदि पर चर्चा की गई।

हरिद्वार के धर्मसंसद में शामिल हुए धर्मचंद्र पोद्दार

JAMSHEDPUR : पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सभागार में शुक्रवार को आयोजित युवा धर्म संसद में भारतीय जन महासभा के अध्यक्ष धर्मचंद्र पोद्दार शहर के कुछ कार्यक्रमों के साथ शामिल हुए। दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता स्वामी रामदेव ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं विशिष्ट अतिथि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय थे।

बारीडीह से 'हुल-गीरा' लेकर जत्था रवाना

JAMSHEDPUR : बारीडीह स्थित जाहेरटोला से शुक्रवार को 'हुल-गीरा' के साथ जत्था रवाना हुआ। यह जत्था यहां से सरायकेला-खरसावां जिला स्थित राजनगर पहुंचा, जहां संथाली समाज की सभा हुई। वरिष्ठ झारखंड आंदोलनकारी हलधर सोरेन के नेतृत्व में जत्थे में रामचंद्र हांसदा, सुब्रमण्यम बास्के, बोडो सोरेन, नीलू राम सोरेन, कलाकार जदुनाथ सोरेन आदि थे। यहां बता दें कि 'हुल-गीरा' संताल आदिवासी समाज द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में संकट के समय प्रेषित किया जाता है। साल वृक्ष की डाली को संदेशवाहक के रूप में उपयोग किया जाता है। उल्लेखनीय है कि महान संताल विद्रोह 1855 ई० में संताल समाज के नेता अंग्रेजी हुकूमत, महाजनी शोषण-अत्याचार के खिलाफ 'हुल' 30 जून को आहवाहन किया था और 1855 को भोगनाडीह में सभा कर विद्रोह का बिगुल फूँका गया था।

जेएलएन कॉलेज में धूमधाम से मना हिंदी दिवस

CHAKRADHARPUR : जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में शुक्रवार को धूमधाम से हिंदी दिवस मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने गीत, संगीत व नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। इस मौके पर मुख्य अतिथि कॉलेज के प्रभारी प्रचार्य डॉ. श्रीनिवास कुमार, पूर्व प्रचार्य डॉ. नागेश्वर प्रधान, प्रो. आदित्य कुमार, डॉ. नजरूल इस्लाम, प्रो. एस्के बारिक, प्रो. कुमार दास, मेरीलीना हांसदा, प्रो. सुजीत कुमार मिश्रा, एसपी रावत, भवानी शंकर मिश्रा, मनसा महतो, राजेश कुमार यादव, भूपति महतो, प्रधान लिपिक पंकज प्रधान, धीरज महतो, काकुली सारंगी, कृष्णा बहादुर समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी मौजूद थे।



'हुल-गीरा' संताल आदिवासी समाज द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में संकट के समय प्रेषित किया जाता है। साल वृक्ष की डाली को संदेशवाहक के रूप में उपयोग किया जाता है। उल्लेखनीय है कि महान संताल विद्रोह 1855 ई० में संताल समाज के नेता अंग्रेजी हुकूमत, महाजनी शोषण-अत्याचार के खिलाफ 'हुल' 30 जून को आहवाहन किया था और 1855 को भोगनाडीह में सभा कर विद्रोह का बिगुल फूँका गया था।

जहां संथाली समाज की सभा हुई। वरिष्ठ झारखंड आंदोलनकारी हलधर सोरेन के नेतृत्व में जत्थे में रामचंद्र हांसदा, सुब्रमण्यम बास्के, बोडो सोरेन, नीलू राम सोरेन, कलाकार जदुनाथ सोरेन आदि थे। यहां बता दें कि 'हुल-गीरा' संताल आदिवासी समाज द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में संकट के समय प्रेषित किया जाता है। साल वृक्ष की डाली को संदेशवाहक के रूप में उपयोग किया जाता है। उल्लेखनीय है कि महान संताल विद्रोह 1855 ई० में संताल समाज के नेता अंग्रेजी हुकूमत, महाजनी शोषण-अत्याचार के खिलाफ 'हुल' 30 जून को आहवाहन किया था और 1855 को भोगनाडीह में सभा कर विद्रोह का बिगुल फूँका गया था।

जेएलएन कॉलेज में धूमधाम से मना हिंदी दिवस

CHAKRADHARPUR : जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में शुक्रवार को धूमधाम से हिंदी दिवस मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने गीत, संगीत व नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। इस मौके पर मुख्य अतिथि कॉलेज के प्रभारी प्रचार्य डॉ. श्रीनिवास कुमार, पूर्व प्रचार्य डॉ. नागेश्वर प्रधान, प्रो. आदित्य कुमार, डॉ. नजरूल इस्लाम, प्रो. एस्के बारिक, प्रो. कुमार दास, मेरीलीना हांसदा, प्रो. सुजीत कुमार मिश्रा, एसपी रावत, भवानी शंकर मिश्रा, मनसा महतो, राजेश कुमार यादव, भूपति महतो, प्रधान लिपिक पंकज प्रधान, धीरज महतो, काकुली सारंगी, कृष्णा बहादुर समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी मौजूद थे।



'हुल-गीरा' संताल आदिवासी समाज द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में संकट के समय प्रेषित किया जाता है। साल वृक्ष की डाली को संदेशवाहक के रूप में उपयोग किया जाता है। उल्लेखनीय है कि महान संताल विद्रोह 1855 ई० में संताल समाज के नेता अंग्रेजी हुकूमत, महाजनी शोषण-अत्याचार के खिलाफ 'हुल' 30 जून को आहवाहन किया था और 1855 को भोगनाडीह में सभा कर विद्रोह का बिगुल फूँका गया था।

पीएम के आगमन की तैयारियों में जुटे मरांडी

CHAIBASA : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर आ रहे हैं। इसे लेकर शुक्रवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी चाईबासा पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के जिला कार्यालय में बैठक कर तैयारी की समीक्षा की। जिला अध्यक्ष संजय पांडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में बाबूलाल ने पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में पश्चिमी सिंहभूम के पांचों विधानसभा क्षेत्र से लगभग 25,000 लोगों की उपस्थिति होनी चाहिए। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोड़ा, पूर्व सांसद व प्रदेश प्रवक्ता गीता कोड़ा, पूर्व विधायक शशिभूषण सामंड, पूर्व विधायक जवाहरलाल बानरा, गुरुचरण नायक, जेवी तुबिद मौजूद रहे।

टीआरएफ में मिलेगा अधिकतम ₹1,17,079 बोनस, समझौता



समझौते की प्रति दिखाते कंपनी व युनियन के पदाधिकारी

JAMSHEDPUR : टीआरएफ (टाटा रॉबिंस फ्रेजर) कंपनी के कर्मचारियों को वर्ष 2023-24 के लिए उभेस समझौता हो गया है। प्रबंधन और कर्मचारी युनियन ने शुक्रवार को बोनस समझौते पर हस्ताक्षर किया, जिसके मुताबिक कर्मचारियों को 17.22 प्रतिशत बोनस मिलेगा। इसके तहत न्यूनतम 36,179 रुपये और अधिकतम बोनस 1,17,079 रुपये है। बोनस राशि कर्मचारियों के खाते में 18 सितंबर को चली जाएगी। कंपनी के 182 स्थायी कर्मचारियों को बोनस का लाभ मिलेगा। बोनस समझौते पर कंपनी के प्रबंधन और प्रबंध निदेशक उमेश कुमार सिंह, चीफ फाइनेंसियल अफसर आनंद चांद, सीएचआरओ अधिजीत सिंह, जीएम वीके सिंह, चेतन सिंह राठौर व प्रियंका गांगुली और टीआरएफ कर्मचारी युनियन की ओर से अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय, महासचिव अंजनी कुमार, डिप्टी प्रेसिडेंट संजय कुमार, वाइस प्रेसिडेंट बेबी कुमारी ने हस्ताक्षर किया।

गांव के दो जलमीनार तथा चार चापकल खराब, स्वच्छ पेयजल का नहीं है कोई व्यवस्था

कुएं का दूषित पानी पीने से सुरबुड़ा के गोप टोला में फैला डायरिया

CHAKRADHARPUR :

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत सुरबुड़ा पंचायत के गोप टोला में डायरिया फैलने से एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं। सभी का चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है। गांव में डायरिया फैलने का मुख्य कारण दूषित जल बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सुरबुड़ा गोप टोला में चार चापकल हैं, लेकिन तीन-चार माह से खराब पड़े हैं। गांव में दो जलमीनार भी हैं, लेकिन वह भी करीब तीन माह से खराब हैं। गांव में स्वच्छ पेयजल का ग्रामीणों के पास कोई साधन नहीं है। चापाकल और जलमीनार खराब होने के बाद गांव के 70 परिवार



इसी कुएं का पानी पी रहे थे ग्रामीण व इलाजरत मरीज

तीन माह पूर्व जलमीनार एवं चापाकल बनाने के लिए ग्रामीणों ने दिया था आवेदन

कुएं का पानी पी रहे थे, लेकिन कुओं का पानी दूषित होने के कारण गांव के ग्रामीण धीरे-धीरे



सुरबुड़ा पंचायत के गांव के गोप टोला के वार्ड सदस्य समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि खराब पड़े जलमीनार तथा चापाकल बनाने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को आवेदन दिया गया था, लेकिन तीन माह बाद भी पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण गांव के लोग पिछले तीन माह से कुएं का दूषित पानी पीने को मजबूर थे।

डायरिया की चपेट में आने लगे थे, जिसके बाद अचानक दो दिन से गांव के दर्जनों लोग डायरिया के चपेट में आ गए। इसी दौरान डायरिया पीड़ित एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना हुई तो गांव में पीड़ित लोगों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार

‘द फोटोन न्यूज’ का बाइलिंगुअल होना अखबार की सबसे बड़ी यूएसपी

PHOTON NEWS JSR:

दैनिक द्विभाषी समाचार 'द फोटोन न्यूज' की ओर से शुक्रवार को साकची स्थित होटल जीवा में बिजनेस मीट का आयोजन किया गया। इसमें शहर के कई बिजनेस सह विज्ञापन एजेंसियों के संचालक एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में 'मां मीडिया वेंचर' की ओर से राजधानी रांची से प्रकाशित व मद्रिद समाचार पत्र तथा पोर्टल 'द फोटोन न्यूज' परिवार के सदस्यों ने इस मीडिया हाउस की शुरुआत, उद्देश्य, खबरों के चयन, बाइलिंगुअल समाचार पत्र के प्रकाशन समेत भविष्य की योजनाओं आदि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन्हित, समाज, राज्य व देशहित के सरोकार को ध्यान में रखते हुए इस समाचार पत्र व पोर्टल की शुरुआत की गई है।



बिजनेस मीट में शामिल हुए विज्ञापन एजेंसियों के संचालक व प्रतिनिधि

इस दौरान उपस्थित अतिथियों से मुझव आमंत्रित किए गए। इस दौरान सहयोगी के तौर पर उपस्थित बिजनेस एजेंसी के संचालकों एवं प्रतिनिधियों ने 'द फोटोन न्यूज' समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, पैटर्न, तेवर व कलेवर समेत उद्देश्यों व प्रबंधन की भावी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने 'द फोटोन न्यूज' समाचार पत्र को कई मायनों में यहां से प्रकाशित बड़े व मंजोले समाचार पत्रों से विशिष्ट एवं युनिक

डाकुवा ने गांव में ढिंढोरा पीट ग्रामीणों को किया जागरूक

गांव के डाकुवा मानकी गुंडुवा ने गोप टोला में ढिंढोरा पीटकर ग्रामीणों को जागरूक किया। डाकुवा ने ग्रामियों को बताया कि गांव में डायरिया फैल गया है। इसलिए सभी ग्रामीण अपने घरों में पानी को उबालकर सेवन करें। इस दौरान डाकुवा के साथ पंचायत के मुखिया जंगल सिंह गागराई समेत काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

अस्पताल में इन मरीजों का चल रहा इलाज

सुरबुड़ा गोप टोला के मीना महाकुंड, जगदीश गोप, सरस्वती गोप, अमरेश गोप, अखिल गोप, शकुंतला गोप, श्रीमती बाइंडिंग, भारती गोप, अंजली गोप, रामो गोप, आयुष गोप तथा पुष्पा गोप का अनुमंडल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अब भी गांव का कोई न कोई व्यक्ति अस्पताल पहुंचकर इलाज करा रहा है।



अस्पताल में इन मरीजों का चल रहा इलाज

सुरबुड़ा गोप टोला के मीना महाकुंड, जगदीश गोप, सरस्वती गोप, अमरेश गोप, अखिल गोप, शकुंतला गोप, श्रीमती बाइंडिंग, भारती गोप, अंजली गोप, रामो गोप, आयुष गोप तथा पुष्पा गोप का अनुमंडल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अब भी गांव का कोई न कोई व्यक्ति अस्पताल पहुंचकर इलाज करा रहा है।

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता



जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से।

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं है।

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है। जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई। अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग

कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पड़तियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है।

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न

की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उत्पादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारा देश

की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो। इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य को

पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं। अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके।

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है। इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है।

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है। टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई है

मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है। टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है। कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है।

टिकाऊ खेती का लाभ:

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है।
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है।
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है।
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं।
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियों इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें।

धानिया

की उन्नत खेती



भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भूमितिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना, पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु, स्वाति, उदयपुर धनियां-20

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटैश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटैश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।



निंदाई एवं गुड़ाई

धनिया की फसल में प्रथम निंदाई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 किं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जायें एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती



Govt has the leeway to cut oil prices

IT was just about a year ago that global investment bank Goldman Sachs predicted that world crude oil prices would touch \$100 per barrel by the end of 2024. The forecast rattled emerging economies like India that are large importers. Luckily for them, the prediction has gone way off the mark. Oil prices have fallen by about 20 per cent over the past year with the benchmark Brent crude currently ruling around \$70-72 per barrel. The turnaround has taken place despite a grim geopolitical environment, with the Russia-Ukraine war and the Israel-Hamas conflict showing little signs of ending. Oil markets have clearly factored in the fact that neither are likely to disrupt supplies even though Russia remains the third largest crude oil producer in the world. Its production is still flowing into major consumption areas despite sanctions imposed by Western countries. Many European countries, including Poland, Finland, Hungary and even Germany, continue to buy oil and petroleum products from Russia, though the amount has reduced considerably. In addition, the European Union makes sizeable purchases of products like gasoline and diesel from Indian refineries using Russian crude. As for the West Asian conflict, it has disrupted international trade flowing through the Red Sea and Suez Canal owing to the depredations of Yemen-based Houthi rebels. Traversing these inlets has been made dangerous for merchant vessels, many of which are now taking the long and expensive route via the Cape of Good Hope. But it has not affected availability of crude and natural gas supplies from the region, and they are continuing to reach consumers through both sea and land routes. It is thus a variety of other factors that have led to the bearish trend in oil prices over the past year. One of the most significant is weakening global demand, especially from the world's biggest importer, China. Economic woes are continuing in that country as the manufacturing sector contracted for the fourth month in a row. Over the past year, there has been an expectation that the economy would revive and the real estate sector would come out of the doldrums. Such a scenario seems distant now and multinationals are slowly withdrawing from the second largest global economy which is now producing more than the rest of the world can absorb. China recorded a 5.2 per cent growth rate in 2023, but the World Bank has projected that it will touch only 4.8 per cent in 2024. The slowing economy has, in turn, led to a cut in oil imports. Another factor contributing to softening prices has been rising output in the US, which has emerged as the world's largest crude producer. In fact, countries outside the Organisation of Oil Exporting Countries (OPEC) cartel are expected to lead output growth this year. This has largely offset the voluntary production cuts of 2.2 million barrels per day imposed by OPEC Plus since last year. These were expected to be lifted last week but with markets remaining relentlessly bearish, the cartel decided to extend the cuts for some more time. Even this news failed to perk up prices which rose slightly and then fell again to reflect the surplus availability in the market. The ebb in oil markets has come as a bonanza for India, which buys over 85 per cent of its fuel from abroad. Ever since the Ukraine-Russia war began in February 2022, prices have remained volatile. But India was able to get Russian crude at discounted rates which helped tide over the crisis of high prices during that year. The recent declining trend has meant that the Indian basket of crudes has fallen from \$89 per barrel in April to \$72 currently. The significance of this decline can be gauged from the rough estimate that every \$10 rise in oil prices leads to a 0.5 per cent increase in the current account deficit. In this upbeat scenario, the government has the leeway to cut prices of petroleum products like petrol, diesel and LPG to bring some relief to the common man. With several states going to the polls later this year, it would also be a pragmatic political move. A similar measure was taken in March prior to the General Election.

Assam's nativist push fraught with grave consequences

Like his counterparts in UP and MP, Sarma has been allowing the use of bulldozers as a retaliatory measure.

ASSAM Chief Minister Himanta Biswa Sarma has been relentless in his drive against Muslims. The more he ramps up his rhetoric and his government enacts laws to protect the 'indigenous population' from what he calls various jihads, the more he remains in the spotlight. His latest campaign is to make it mandatory for all adult applicants to provide their NRC (National Register of Citizens) application number while applying for the Aadhaar card from October 1. Sarma has already expressed concern about the number of Aadhaar card holders being more than the recorded population in at least four districts. The CM has mentioned that these districts have a Muslim majority, and he suspects that illegal migrants from Bangladesh may have procured fake Aadhaar cards. The issue of migration from Bangladesh has always defined Assam's political landscape, triggering one of the strongest and most successful students-led agitations in the 1970s. Sarma was also part of that agitation before he joined the Congress (he switched over to the BJP in 2015). It is well documented how the NRC updating exercise in Assam in 2014 led to hundreds of arrests and incarceration in detention camps. More than 19 lakh applicants were left out of the 'complete draft' of the NRC, released in 2019. As many as 688 persons were thrown in the detention camps, where 28 have reportedly died. Most of them are Muslims. The whole NRC exercise was ridden with clerical errors that led to years of repression. However, the idea behind this massive effort was to 'cleanse' Assam of illegal Bangladeshis. The purpose was not achieved as only 321 were declared foreigners. Since then, the Chief Minister has taken it upon himself to rid the state of 'termites', a slur used by then BJP chief (and now Union Home Minister) Amit Shah in 2018 while referring to Bangladeshi migrants in Assam. The Sarma-led state government has been changing laws and enacting new ones. He has been saying things which can be reported as hate speech. In March this year, he candidly said, "Islamophobia is real for many Hindus." In a recent statement, he said he would take sides against the state's Miya community (including Bengali Muslims), while speaking about the sexual assault on a 14-year-old Assamese girl, allegedly by a Muslim man, Tafazul Islam. He projected the incident as an attack by Muslims on 'indigenous communities'. The accused later drowned in a pond while reportedly trying to flee when the police were reconstructing the scene of the crime. Assam has a record of killings in police encounters. Earlier, Sarma had led a similar campaign against criminals and drug peddlers, most of whom he identified as Muslims. Since that time, landlords have been asking Muslim tenants in eastern Assam to immediately vacate



their premises. In less than a week, more than a hundred families have fled. Small groups of Assamese youth, reportedly moving across various districts, are issuing ultimatums to Bengali Muslims to leave within a week. Just like lynch mobs in other parts of the country, these groups have been created to intimidate Bengali Muslims, using violence if necessary. In Haryana and Uttar Pradesh, such mobs have been threatening a section of the Muslim community on the suspicion of smuggling/eating beef. It is not the anti-Bengali rhetoric of the 1970s that has been reawakened in Assam. The communal equation has since been reconfigured into a sharper polarisation between Hindus and Bengali Muslims (Assam's Muslims are perceived to be members of an affluent community who prefer to assert their Assamese identity). The old feud — the Brahmaputra valley versus the Barak valley (inhabited largely by Bengali Hindus and Muslims) — has also become much more strident. Sarma plays to the nativist gallery — someone who would have preferred ousting all non-Assamese people from the state but has reconciled with forging alliances to target the common 'enemy'. Under Sarma's regime, the target population remains the same during frequent eviction drives. Sarma seems to be in a hurry to compete with fellow BJP Chief Ministers in

other states in his tirade against Muslims. Considering his steadfast support to the Hindus, it was inevitable that he got on the bandwagon of love jihad. In 2023, his government carried out a brutal crackdown on child marriages. Thousands of Muslim men were arrested and madrasas demolished. This ideology aligns with the BJP campaign theme that Muslim men marry Hindu girls to convert them to Islam. In August, the state passed the Assam Compulsory Registration of Muslim Marriages and Divorces Bill, 2024, to replace the 1935 Act. Sarma has now promised to introduce a legislation to ban polygamy. In 2021, following some other states' example, he started a cow protection campaign. In January this year, a man in Karbi Anglong district was lynched on the suspicion of cattle smuggling. For the record, a huge number of Indian head of cattle are smuggled to Bangladesh every day, allegedly in collusion with law-enforcement agencies and local residents. Like his counterparts in Uttar Pradesh and Madhya Pradesh, Sarma has been allowing the use of bulldozers as a retaliatory measure. He recently restarted the bulldozer exercise. Sarma is determined to walk the talk on his jihad against Muslims, though he clarifies that his tirade is against the Miyas or Bengali Muslims. His desire to dominate the mainstream narrative is a cause for concern.

Acrimonious debate

Harris, Trump pull no punches

THE US presidential debate between Donald Trump and Kamala Harris was largely about who did better. Did Harris outperform Trump? Yes, she did, but Trump was still better than what a jittery Joe Biden was against him in their June debate. And, of course, Harris was far, far better than Biden. She did rub it in: 'It is important to remind the former President. You're not running against Joe Biden. You are running against me.' The televised matchup began with a handshake, but the slender hope of cordiality evaporated quickly. Both pulled no punches as they rained insults and barbs on each other. The twin challenges for Harris were to erase the memory of Biden's debate fiasco, which had forced him to abandon his presidency, and present herself as the best choice for



American voters. She succeeded to a greater extent in

doing the first than the second. Harris is gaining ground, according to online prediction market PredictIt, but this is still a race too close to call. The candidates targeted one another over the Israel-Hamas war and the Russian invasion of Ukraine, but neither offered any specific roadmap to bring both conflicts to an end. They also locked horns over abortion restrictions, again not so convincingly. The fact that debate moderators had to repeatedly inject fact-checks showed that both nominees had no qualms about telling a lie here, a lie there. Trump's trump card was his question: Why has Harris, as Biden's deputy, not done in the past three-and-a-half years what she is promising now? This valid point caught her on a sticky wicket. Nevertheless, she managed to provoke Trump into making the preposterous claim that Haitian immigrants were eating dogs and cats of Ohio residents. This fight is only going to become more fierce and bitter from here on.

America holds the key to ending the war in Gaza

The involvement of a Bedouin in violence against Israel might fly in the face of Tel Aviv's claims that the Bedouins living in the country have been victims of Hamas.

THE killing of three Israeli civilians near the Allenby (King Hussein) Bridge border crossing in the occupied West Bank on September 8 by Maher Ziab Hussein al-Jazi, a former Jordanian soldier, has added a new dimension to the Israel-Hamas war by directly involving Jordan in the conflict.

The Allenby Bridge was originally a World War I crossing point for the British forces from the East to the West Bank. It was named after Field Marshal Edmund Allenby, who had led the Palestine campaign. The recent incident has revealed different dimensions of the Israel-Jordan relationship in terms of security, diplomacy and trade. During the late 1980s, I was taken on a conducted tour of the Allenby Bridge, 5 km east of Jericho city in the West Bank, for the showcasing of Israel's preventive security measures to track terrorists and drug traffickers crossing over from Jordan to Israel. We did not have diplomatic relations with Israel then. Apart from video tracking, the bridge had a facility to track border crossings on foot through a study of sand footprints by expert Bedouin trackers. I also met members of the Israel Defence Forces' (IDF) Bedouin Tracker Unit. According to the IDF, on September 8, Maher Ziab drove a truck from Jordan, "exited the truck and opened fire," killing three Israeli civilian employees. Why didn't the IDF, with their most modern, AI-driven mass facial-recognition tools like Red Wolf, Blue Wolf and Wolf Pack, detect him while he was on the Allenby Bridge? Also, the bridge is a high-security zone in



which all persons crossing get searched at least three times. That the Jordanian could travel with a weapon means that it is a serious security breach. The IDF had shot dead a Jordanian judge, Raed Zeiter, in 2014 on the bridge merely on the basis of suspicion, something that Israel had to publicly apologise for. Inquiries later revealed that Raed was going to his hometown, Nablus, in the West Bank. The killing had led to strong protests in Jordan and the West Bank. The Arab media had also reported that there were large-scale protests in Jordan after he was killed. Notably, Maher Ziab, who was shot dead by the IDF, belonged to the influential Huwaitat tribe among the Bedouins. He was a resident of the Husseiniya area in Jordan's southern Ma'an Governorate. Huwaitat traces its origin to Fatima,

daughter of the prophet Muhammad. Some of them were part of the historical 'Great Arab Revolt', described by Lawrence of Arabia in his 'Seven Pillars of Wisdom'. The involvement of a Bedouin in violence against Israel might fly in the face of Tel Aviv's claims that the Bedouins living within Israel have been victims of Hamas, as they were supporting the regime. It may be recalled that Kaid Farhan Elkadi, a Bedouin hostage who was found by the IDF in a Gaza tunnel on August 27, was given a rapturous welcome. However, in the wake of Elkadi's rescue, international media outlets that visited his village in Negev found strong resentment against the Benjamin Netanyahu regime.

Originally from Saudi Arabia, the Huwaitat had migrated to Jordan, Syria and Egypt (Sinai Peninsula), where they are found in large numbers. In 2020, Huwaitat leader Suleiman Mohammed al-Taqqie al-Hwaiti had started an agitation against a new Saudi project called Neom, a planned mega-city, that could result in the displacement of 20,000 Huwaitat tribe members. This resulted in violence and brutal suppression by Saudi Arabia. If the Huwaitat decide, they could open another front against Israel. Diplomatically, Jordan — which has been highly critical of Netanyahu's handling of the Gaza war — has a peace accord with Israel that was signed in 1994 by King Hussein and then Prime Minister Yitzhak Rabin in the presence of US President Bill Clinton. Annex III deals with the details of cooperation on crime. This is under strain, as revealed by the joint statement issued by Jordan, Qatar, Palestine and Kuwait on September 3 condemning PM

Netanyahu's accusations that weapons were being smuggled to the Hamas through the Egyptian border. West Asia observers now feel that Netanyahu's prolonged war in Gaza, aimed at keeping him in power, is going to affect Jordan adversely. David Hearst, Editor-in-Chief of the Middle East Eye, had observed on August 23 that Jordan's "balancing act is at risk of crashing down" with the latest Israeli intrusion into the West Bank, reviving the old Zionist policy to consider Jordan as the 'only Palestinian state', combined with Donald Trump's latest idea of a Jordanian-Palestinian confederation. He has stated: "The crudest version of this plan entails direct threats to the Palestinian villages and towns of the occupied West Bank to leave or be burnt out by settlers." At the same time, prominent US Democrats like Senator Chris Van Hollen have criticised President Joe Biden's policy on Israel on the ground that it violates American law. In March, Hollen said Netanyahu's actions in Gaza preventing US humanitarian aid had violated Section 620I of the Foreign Assistance Act of 1961 — also known as the Humanitarian Aid Corridor Act — and stated that no arms should have been given to Israel.

Jonathan Steele, The Guardian's former foreign affairs correspondent, reminds us how the Secretary of State in President HW Bush's Cabinet, James Baker, had dealt with Netanyahu in 1989 by banning him from entering the US State Department. He says that Baker was furious with Netanyahu, who was then Israel's Deputy Foreign Minister under Prime Minister Yitzhak Shamir, for describing American policies as a 'distortion and lies'. Bush and Baker had refused US assistance of \$10 billion until Israel's illegal settlements in the West Bank and Jerusalem ended. Consequently, Shamir faced a defeat in the June 1992 elections.

Sensex, Nifty near record highs; Bajaj twins gain

New Delhi. Benchmark stock market indices opened Friday's trading session on a negative note after ending the previous session with strong gains. The S&P BSE Sensex fell 134.05 points to 82,828.66 at 10:28 am, while the NSE Nifty50 fell 44.30 points to 25,344.60. However, other broader market indices were mixed, with smallcap and midcap stocks registering gains. Metal and realty stocks were among the top performers, while banking and financial shares fell. The top five gainers on the Nifty50 were Wipro, Bajaj Finance, Bajaj Finserv, Tata Steel and Grasim. On the other hand, the top losers were SBI Life, ITC, Asian Paints, Divi's Lab and Adani Ports.

Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "Yesterday's sharp up move which saw the Nifty spurt by 1.9% was a purely technical move triggered by short covering on the expiry day. It is important to understand that the 400 point rally in the Nifty happened after 2pm." "Call writers trapped by the unexpected up move resorted to frenzied covering, pushing up prices sharply. Since the bears were badly mauled, the market is in bull grip now. The situation can change in a few days," he noted.

"Fundamentally strong largecaps like Bharti Airtel, HDFC Bank, ICICI Bank, ITC, HCL Tech, Infosys and TCS have the potential to take the market forward. But higher levels can attract selling by DIIs and profit booking by individual investors."

Moneyview turns unicorn, buys start-up Jify

BENGALURU. Financial services platform Moneyview has turned unicorn and the valuation assessment (of over USD 1 billion) is part of a share swap acquisition. Moneyview said this is not an independent fundraiser. Bengaluru-headquartered financial services company on Thursday announced the acquisition of Jify.co, a platform that enables employees to access their earnings on demand. Jify.co services over 250 blue-chip corporates with millions of employees, and the acquisition involved a share swap whereby Accel and Nexus, the existing investors of Jify, were allotted shares of Moneyview.

This acquisition is set to strengthen Moneyview's comprehensive suite of financial services while enabling Jify to scale its offerings to a wider network of employees and organisations, the company said.

The acquisition also marks a milestone in Moneyview's ongoing expansion into a diverse range of financial products ranging from credit to savings & investment products. Puneet Agarwal, Co-founder & CEO of Moneyview said, "We are committed to providing solutions that empower Indians not only to access personal finance but also to manage their income and investments more effectively. We are eager to use this collaboration as a way to strengthen and grow the strong customer base that Jify caters to and take it to new heights." "As we move ahead, we will continue to bring more such solutions that will enable our current and prospective users to manage all their financial needs under one roof, he added.

Founded by Puneet Agarwal and Sanjay Aggarwal in 2014, Moneyview is backed by investors like Apis Partners, Tiger Global, Accel Partners, and Ribbit, among others.

Only 10% of India's 1.5 Million Engineering Graduates Set to Secure Jobs This Year: Report

New Delhi. Employment among engineering graduates stands at over 60 per cent, with only 45 per cent meeting industry standards. Furthermore, a mere 10 per cent of the 1.5 million engineers expected to graduate this fiscal year are anticipated to secure employment, according to a TeamLease report. The major reason, it said, is the skills gap among engineering graduates.

"Engineering has long been a cornerstone of India's development, emerging as one of the most preferred career choices, shaping the nation's innovation, infrastructure, and progress. As we celebrate National Engineering Day, honoring the critical contributions of engineers in driving the country's growth, India proudly stands as a leader in producing engineering talent, with nearly 1.5 engineers



graduating annually. However, despite this impressive output, the employability of our engineering graduates remains a significant challenge," said the report by TeamLease Degree Apprenticeship. It said the growing skills gap among engineering graduates emphasises the need for a more comprehensive approach to workforce readiness. Integrating practical, hands-on training with academic knowledge will better align engineering talent with industry demands.

Recent statistics indicate that employability among engineering graduates stands over 60%, with only 45% meeting industry standards. Furthermore, a mere 10% of the 1.5 million engineers expected to graduate this fiscal year are anticipated to secure employment. These statistics highlight a significant disparity in the preparedness of engineering graduates to fulfill industry demands. The diminishing rate of placements can be attributed to the evolving job landscape propelled by rapid technological advancements, emphasising the pressing need for a stronger focus on enhancing employability through skill development," TeamLease Degree Apprenticeship said.

SpiceJet shares surge 9%: What's fuelling the rally and will it continue

SpiceJet share price: Despite regulatory challenges, the airline's shares have surged recently. Will the rally hold

New Delhi. Shares of SpiceJet Ltd climbed nearly 9% in early trade today, continuing their upward trend for the second consecutive session. At 12:23 am, shares of the low-cost airline were trading 8.85% higher at Rs 72.22. The stock is up nearly 15% in just two sessions. It is worth noting that the rally came after the budget carrier announced a significant debt restructuring deal with Carlyle Aviation Partners, the commercial aviation investment and servicing arm of Carlyle Group. As part of the agreement, Carlyle will write off \$40.2 million of SpiceJet's lease arrears and convert an additional \$30 million of arrears into equity. This equity conversion will be done at Rs 100

per share, significantly boosting Carlyle's stake in the airline. SpiceJet, which has been grappling with financial challenges for over a year, said the debt conversion would ease its liquidity situation. The airline has faced difficulties in fully restoring operations despite multiple fundraising efforts. Carlyle's decision to convert its dues into equity and debentures is critical to stabilising the carrier's financial position.

"The conversion will significantly increase Carlyle Aviation's stake in the carrier," SpiceJet said in a statement, highlighting the potential for a more stable shareholder base moving forward. The airline is also raising funds through a qualified institutional placement (QIP) route, which could further bolster its financial footing. However, SpiceJet's stock surge comes amid heightened regulatory



scrutiny. Late last month, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) placed the airline under enhanced surveillance following an audit that revealed "certain deficiencies." This added to the concerns about SpiceJet's ongoing operational and financial hurdles. While the recent developments have sparked optimism, analysts remain cautious. Kranthi Bathini, Director of Equity Strategy at

WealthMills Securities, told Business Today that the airline is not entirely out of the woods yet. "SpiceJet was in a downturn for the past six months. Growing domestic traffic and stable crude prices have given aviation companies an edge. But SpiceJet is still facing severe cash crunch and losing market share," said Bathini.

He also advised that only investors with a high-risk appetite should consider entering this stock. "Existing investors can hold on to the stock," he added.

From a technical standpoint, analysts see key levels to watch for the stock. AR Ramachandran, a Sebi-registered research analyst, said, "SpiceJet stock is bullish on daily charts with strong support at Rs 66. A daily close above the resistance of Rs 73 could lead to a target of Rs 81 in the near term."

Western Carriers IPO opens for bidding: Should you subscribe or skip

New Delhi. The initial public offering (IPO) of Western Carriers (India) Limited opened for subscription on Friday, September 13, 2024. Western Carriers IPO is a book-built issue looking to raise to Rs 492.88 crore. It consists of a fresh issue of 2.33 crore shares, amounting to Rs 400 crore, along with an offer for sale of 54 lakh shares, which totals Rs 92.88 crore.

Western Carriers (India) Limited has allocated 85,96,743 equity shares to 15 anchor investors, raising Rs 148 crore before its proposed IPO. This was done at the upper price band of Rs 172 per equity share (including a premium of Rs 167 per share) with a face value of Rs 5 per share. The public offering will be open until Wednesday, September 18, 2024. The price band for the IPO is set at Rs 163-172 per share, and minimum application lot size is set at 87 shares, with retail investors needing to invest at least Rs 14,964.

Should you subscribe?

"The IPO's valuation is considered reasonable. The company faces a long payment cycle and is exposed to several operational risks. Given the company's



financial challenges and limited market interest, a "may apply" rating is recommended for long-term investors with a high-risk tolerance," said Swastika Investmart. The IPO brokerage recommendations for Western Carriers (India) Ltd show a generally positive sentiment.

Marwadi Financial Services, Chola

Securities, Canara Bank Securities, K R Choksey, BP Equities, and Ventura Securities - all recommend subscribing to the IPO. Canara Bank Securities specifically notes their recommendation is "For Listing Gains". Latest Grey Market Premium (GMP) for Western Carriers IPO

The most recent Grey Market Premium (GMP) for the Western Carriers (India) IPO is Rs 0, as of September 13, 2024, at 10:59 AM.

With a price band set at Rs 172, the estimated listing price of the Western Carriers (India) IPO is Rs 172, which includes the cap price and the current GMP. This implies an anticipated gain or loss of 0% per share. The allocation for the Western Carriers (India) IPO is anticipated to be completed by Thursday, September 19, 2024. The company's shares are set to debut on the BSE and NSE, with the provisional listing date scheduled for Monday, September 23, 2024.

Three Indian companies commit USD 16.65 million in investments in Bahrain

BENGALURU: Indian companies are showing more interest in investing in Bahrain, particularly in healthcare, manufacturing, and technology sectors. This year, Bahrain is expected to receive over USD 50 million in investments just for its healthcare sector.

Additionally, the country will also receive an investment from a company in Chennai that is into manufacturing electronic equipment.

"When it comes to IT, we are seeing incredible growth and it is one of the fastest growing sectors," said Noor bint Ali Alkhulaif, Minister of Sustainable Development, Chief Executive of Bahrain EDB. Led by the minister, Team Bahrain is on a tour across India showcasing the country's investment opportunities.

At the Bengaluru event on Thursday, the minister said Bahrain has secured investment commitments of about USD 16.65 million from three companies excluding projected investments in the healthcare sector and a Chennai-based manufacturing company.

Among the Indian companies that are investing, Chemco has planned its third expansion in Bahrain since it first announced its plans to set up its factory in Bahrain in 2013. Bhageria Industries is investing in Bahrain with plans to develop an 11.40 MW solar project. The third company, an ICT firm, is setting up its regional headquarters in Bahrain. In the ICT sector, companies such as Tech Mahindra and TCS have invested in the country. For Bahrain, India is the sixth largest investing country.

Talking about investment opportunities, Ali Al Mudaifa, Chief of Business Development, Bahrain EDB, said, FDI inward stocks from India increased from USD 1.11 billion in 2019 to USD 1.52 billion in 2023. India's FDI stock in Bahrain has grown by 36.6 per cent between 2019 and 2023, adding an average of USD 102 million annually. According to the ministry of commerce and industry, GoI, data India's export to Bahrain in 2022-23 stood at USD 965.25 million and its imports stood at USD 1,014.50 million.

Noor bint Ali Alkhulaif added, "This cumulative investment reflects the strength and competitiveness of Bahrain's value-proposition and fast-growing reputation as a key regional hub for leading manufacturing and niche technology firms seeking a trusted international destination for expansion."

Ford Motor to Make Re-Entry in India, Plans to Restart Chennai Manufacturing Plant

NEW DELHI. US automaker Ford Motor on Friday said it plans to restart its manufacturing plant for exports in Tamil Nadu and has intimated the same to the Tamil Nadu government. The company exited India in 2021.

The announcement of re-entry in India follows a meeting between Ford leadership and Tamil Nadu Chief Minister M K Stalin as part of his visit to the United States, Ford said in a statement. According to a livemint report, Ford is in talks with JSW to restart operations in India.

Ford Motor, which in 2021 had said that it would stop manufacturing vehicles in India, has submitted a Letter of Intent (LOI) to the Tamil Nadu government, confirming its intention to utilise the Chennai plant for manufacturing for exports. "This step aims to underscore our ongoing commitment to India as we intend to

leverage the manufacturing expertise available in Tamil Nadu to serve new global markets," Ford International



Markets Group President Kay Hart said. Ford said the strategic move will see the facility repurposed to focus on manufacturing for export to global markets, as part of the company's ambitious 'Ford+ growth plan'.

It, however, said further information about the type of manufacturing and other details will be disclosed in due

course. Ford said its latest announcement reaffirms the company's commitment to India as a critical market for its global operations. The company currently employs 12,000 individuals in Global Business Operations in Tamil Nadu, a number expected to grow by 2,500 to 3,000 jobs within the next three years, it added. "Combined with the engine manufacturing operations in Sanand, India represents Ford's second-largest salaried workforce worldwide," the company said.

In September 2021, after nearly three decades of struggling to make a mark in India, Ford Motor Co had announced that it would stop vehicle production at its two plants in the country and will sell only imported vehicles going ahead, as part of a restructuring exercise.

Adani Group shares drop after Hindenburg's fresh allegations

Hindenburg Research claimed that Swiss authorities had frozen over \$310 million across several Swiss bank accounts.

New Delhi. The stock market has its ups and downs, and this time, it's the Adani Group under the spotlight again. Just when investors thought things were settling down, Hindenburg Research dropped another bombshell, levelling fresh allegations, sending Adani stocks into a tumble.

Adani Group shares fell by up to 2% in early trading on Friday after Hindenburg Research claimed that Swiss authorities had frozen over \$310 million across several Swiss bank accounts. These funds are reportedly linked to allegations of money laundering and securities forgery involving the Adani Group. New Delhi

Television (NDTV) showed a slight gain of 1%, while ACC was flat but had a positive outlook. However, Adani Enterprises, Adani Ports and Special Economic Zone, Adani Green Energy, Adani Total Gas, Adani Wilmar, Adani Energy, and Ambuja Cements saw declines ranging between 0.37% and 2%.

The new allegations follow a post made by Hindenburg on X (formerly Twitter) on Thursday. The short-seller claimed that an investigation dating back to 2021 has uncovered questionable financial dealings involving offshore entities connected to the Adani Group.

Swiss media outlets reported that the Geneva Public Prosecutor's Office had been looking into these allegations well before Hindenburg's first set of accusations in 2023. Gotham City, a Swiss media outlet, said, "More than \$310 million belonging to an alleged front-man for billionaire Gautam Adani is sequestered in five Swiss banks. The Office of the Attorney General of



Switzerland (OAG) took over the investigation after the case was revealed in the press. "This latest report comes just as the earlier controversy surrounding the Adani-Hindenburg case seemed to be fading. Earlier in 2023, Hindenburg had accused the Adani Group of using tax havens to avoid market regulations, a claim the group denied.

The most recent allegations also suggest that Madhabi Puri Buch, chairperson of the Securities and Exchange Board of India (SEBI), and her husband Dhaval Buch, may have invested in an offshore

fund linked to the Adani Group. These claims have only added fuel to the ongoing debate. The Adani-Hindenburg conflict began in January 2023 when Hindenburg Research first accused the Adani Group of financial misconduct. The Indian conglomerate has consistently rejected these claims, describing them as 'baseless.' Despite these denials, the controversy continues to affect both the market and the group's reputation. In response to the latest accusations, the Adani Group has declined the claims by Hindenburg, saying that its overseas holding structure is transparent, fully compliant with legal requirements, and disclosed in accordance with all relevant regulations. They further clarified that they are not involved in any Swiss court proceedings, adding that their companies are not mentioned in any court documents nor have they received requests for clarification.

Arvind Kejriwal gets bail, but Supreme Court split on legality of CBI's arrest

➤ **Arvind Kejriwal Bail Order: The two Supreme Court judges delivered separate but concurring judgments. While Justice Surya Kant held Arvind Kejriwal's arrest valid, Justice Bhuyan called it 'unjustified'.**

New Delhi. Six months after he was first arrested in the alleged Delhi liquor policy scam, Chief Minister Arvind Kejriwal was granted bail by the Supreme Court in the CBI case on Friday. However, despite granting bail unanimously, the two Supreme Court judges differed on the legality of the arrest of Kejriwal by the CBI.

The AAP chief will now walk out of jail after already having been granted interim bail in the ED's money laundering case. Kejriwal becomes the fifth high-profile leader to get bail in the case after AAP leaders Manish Sisodia, Sanjay Singh, Vijay Nair and Bharat Rashtra Samithi's K Kavitha.

Justice Surya Kant said prolonged imprisonment "amounts to unjust deprivation of liberty" but held that the arrest of Kejriwal was legal and did not suffer from any procedural irregularity. However, Justice Ujjal Bhuyan had a differing view, saying the arrest by the CBI was "unjustified". Justice Kant said the court would bend towards liberty when trial is derailed and underscored the legal norm of "bail is rule and jail is an



exception". "The appellant's arrest does not suffer from illegality. The issue is of liberty... integral to sensitised judicial process. Prolonged incarceration amounts to unjust deprivation of liberty," Justice Kant said.

'CBI MUST NOT FUNCTION LIKE A CAGED PARROT'

On the other hand, Justice Bhuyan came down heavily on the CBI, saying Kejriwal's arrest after he secured bail in the ED case was only to frustrate the AAP chief's release from prison. He noted that the CBI did not arrest Kejriwal for 22 months and arrested the Chief Minister on the cusp of his release in the ED case. "Such action by CBI raises serious questions about the timing of the arrest and

such an arrest by CBI was only to frustrate the bail granted in the ED case," Justice Bhuyan said. He further said that the CBI must not function like a caged parrot and must be above all suspicions.

"CBI must be seen above board and every effort must be made so that the arrest is not in a high-handed manner. Perception matters and the CBI must dispel the notion of being a caged parrot and must show it is an uncaged parrot. CBI should be like Caesar's wife, above suspicion," Justice Bhuyan said. The 'caged parrot' remark was first made by the Supreme Court 11 years back while pulling up the CBI for government interference in its report on the allocation of coal blocks, a case dubbed 'coalgate' by the media. Justice RM Lodha said the CBI was a "caged parrot" that "speaks in its master's voice".

IMPLICATIONS OF KEJRIWAL RELEASE
Kejriwal's release will come as a shot in the arm for the AAP ahead of the Haryana Assembly election, where the party is gearing up to challenge the incumbent BJP and its INDIA bloc partner Congress.

Heavy rain predicted for Delhi, UP as depression moves towards Uttarakhand

NEW DELHI. More of rain this week. A red alert situation has been declared for Delhi, west Uttar Pradesh and Uttarakhand as a depression is moving towards the hill state.

The India Meteorological Department (IMD) has predicted heavy rain would trigger landslides and cloudbursts in Uttarakhand and Himachal Pradesh. Flash flood alerts have been issued in Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, and Rajasthan on September 12 and 13. The IMD has also predicted widespread rains across north India this week.

The depression, which was moving towards northwest from the Bay of Bengal for the past four days crossing Odisha, Chhattisgarh, north Madhya Pradesh, suddenly took a sharp turn towards northeast on the night of September 11.

"Due to the westerly winds at mid-level, the depression will recur in the northeast, leading to heavy to very heavy rain over west Uttar Pradesh, north Madhya Pradesh, Delhi and parts of Haryana on September 12," said Mahesh Palawat of Skymet, a private Indian company providing weather forecasting.

St Stephen's teachers urge college to allow students' admission as special case

NEW DELHI. Three days after the St. Stephen's College on Monday approached the Delhi High Court against a single judge's order of granting admission to seven students based on Delhi University's seat allocation system, the college teachers' association has requested the governing body to ensure that all these students be given an option of taking admission in college.

In a meeting held on Wednesday, the association requested the administration that the college should admit all these students as a special case for this year while continuing the legal procedures/administrative conversations with the University. "The legal battle involving the students whose admission allotment by Delhi University was turned down by St. Stephen's College... has caused a lot of difficulties and distress to the students..." read the statement by one of the teachers present in the meeting.

Another concern highlighted by the association is that September 15 is the last date for completing admissions at Delhi University and time is running out.

Delhi HC to take up PIL on sewer overflow, water contamination

The petition, filed by NGO Social Jurist, criticises the authorities for failing failure to desilt major sewer lines, inadequate cleaning of branch sewers, reduced manpower and machinery for sewer maintenance.

NEW DELHI. A Public Interest Litigation (PIL) has been filed before the Delhi High Court, highlighting a year-long issue of sewer overflows in various areas of the capital, often leading to water contamination and the spread of waterborne diseases. It is set to be heard on Friday. The petition, filed by NGO Social Jurist, criticises the authorities for failing failure to desilt major sewer lines, inadequate cleaning of branch sewers, reduced manpower and machinery for sewer maintenance, and outdated sewer systems that need urgent replacement. It attributes the delays to internal disputes within the Delhi government.

"The authorities' failure to address this severe sewer overflow problem due to internal conflicts has resulted in significant health risks for the public, violating the fundamental rights of Delhi residents under Articles 14 and 21 of the Constitution," stated the petition, which was filed by advocates Ashok Agarwal and Kumar Utkarsh.

According to the petitioners, the NGO had previously raised the issue with the authorities and received a response from the Delhi Water Minister Atishi, attributing the problem to an artificial financial crisis and bureaucratic gridlock created by the Finance Department, which has stalled efforts to resolve the situation. "...since January 2023, a situation of artificial fund crunch has been created in the DJB due to non-release of budget on one pretext or the other, by the Finance Department of GNCTD. In fact, Rs 2,802 crores remained unreleased to DJB even at the end of FY 2023-24, even though the DJB had more than Rs 700 crores of pending financial liabilities," the plea stated. The PIL seeks an order directing the Finance Department to release sufficient funds and provide the necessary approvals to enable the DJB to take corrective measures.

Gym owner shot dead by bikers in South Delhi's Greater Kailash



NEW DELHI. A 35-year-old man was shot dead by two bike borne assailants in south Delhi's Greater Kailash area on Thursday night, officials said.

Deputy Commissioner of Police (south) Ankit Chauhan said that an information was received regarding firing at GK 1, adding one person was injured and taken to the Max Hospital. The police personnel on reaching the spot found some bullet projectiles and empty cartridges.

On enquiry, it was found that Nadir Shah, a resident of CR Park, had suffered bullet injuries, police said. "The attackers came on a two wheeler, fired on him and ran away. He was immediately rushed to the hospital by his friends but was declared brought dead," Chauhan said. Shah used to run a gym here on a partnership basis. The investigations are on from all possible angles, he added. The police has also not ruled out the possibility of gang war.

Delhi HC halts final order on charges in 2020 riots case amid plea for evidence access

The order came in response to a plea by Devangana Kalita, one of the accused, seeking access to certain videos and WhatsApp chats that she believes could help prove her innocence in cases linked to the riots.

NEW DELHI. The Delhi High Court on Thursday directed the trial court not to issue a final order on framing charges in the alleged larger conspiracy behind the 2020 northeast Delhi riots till September 23.

The order came in response to a plea by Devangana Kalita, one of the accused, seeking access to certain videos and WhatsApp chats that she believes could help prove her innocence in cases linked to the riots, including charges under the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA).

"The video would exonerate me, showing that from February 22 to 26, 2020, we were engaged in peaceful protests. Selective screen grabs are being used against me, but the complete footage is exculpatory and



should be provided," Kalita's lawyer argued. Besides the video footage, Kalita has requested the entire WhatsApp chat from a group, portions of which have allegedly been selectively used to support the case

against her. Her legal team maintains that withholding these materials violates her rights under Section 207 of the Criminal Procedure Code (CrPC), which mandates the supply of related and unrelated documents to the defence. The Delhi Police, however, contested the maintainability of Kalita's plea, arguing that her petitions for accessing these documents were not valid.

Justice Neena Krishna, while acknowledging both sides' submissions, ruled that although the trial court could continue hearing arguments on the framing of charges, no final order should be passed till September 23.

Delhi govt-run hospital turns away women in labour

NEW DELHI. Delhi government-run Indira Gandhi Hospital in Dwarka has issued notices to two of its post-graduate students for en masse referral of women patients to another hospital who came there in emergency labour.

The move came after a complaint raised by Dada Dev Hospital where these patients were referred, leading to an "embarrassing situation" for Indira Gandhi Hospital.

However, the trainees said the decision was made since the hospital lacked emergency labour room and blood bank to deal with such patients.

"It has come to the notice of the undersigned that on 07.09.2024 at around 3:30 PM, about six patients were referred to Dada Dev Hospital en masse. Administration of Dada Dev Hospital has taken strong exception of the said incidence and raised complaints on several levels leading to embarrassing situation for the Hospital as well as the Department," the hospital's notice to the trainees read. Upon enquiry from the



Specialist on call, she submitted that she was not informed about the said referrals. You are hereby directed to submit in writing for doing so and why no

disciplinary proceeding should be initiated against you," the notice further read.

Responding to it, the trainees said the referrals were made as no senior resident doctor was on duty and in accordance with the precedence set by the parent department (Obstetrics & Gynaecology).

"It has been verbally communicated and established as a SOP within the department for the past few months that patients in low-risk early labor should be referred to Dada Dev Hospital after 1:00 PM on Saturdays due to the non-availability of emergency OT services.

After careful consultation with the patients and their relatives, referrals were made in compliance with these verbal instructions to ensure that the patients receive timely care as per the established practice," the response from the trainees read.

A resident doctor working at the hospital said the administration is making the trainees scapegoats to hide the lack of essential facilities. Despite attempts, no response was received from the hospital.

Delhi HC directs CBI to probe waterlogging causes in UPSC Aspirants' deaths

The court raised concerns about the building's safety violations, with the counsel for one of the victim's families urging the rejection of bail.

NEW DELHI. While hearing the bail pleas of four co-owners of a basement accused in the deaths of three UPSC aspirants in Old Rajinder Nagar on July 27, the Delhi High Court on Thursday directed the Central Bureau of Investigation (CBI) to investigate and report on the cause of the severe waterlogging on that day, and whether it was solely due to heavy rainfall or other contributing factors.



"Was it merely the rain, or was there something else that led to such intense flooding?" Justice Dinesh Kumar Sharma asked the CBI. The court has sought a detailed report from the CBI regarding the intensity of the rain, the installation of gates allegedly meant to block water at the entrance of the coaching center, and the overall cause of waterlogging. During

the hearing, the defense counsel, representing the four accused, Parvinder, Tajinder, Harvinder, and Sarbjit Singh, all brothers, argued, "I have been in custody long enough. At this stage, I only seek liberty and prepared to face trial." The CBI opposed the bail, noting that the investigation is still in its early stages and citing concerns that witnesses may be

influenced if the accused are released. The agency informed the court that a chargesheet would be filed within 10 days. The CBI also stated that 35-40 students were in the basement when the flooding occurred, with water rising in a manner reminiscent of a "dam failure" after the gates collapsed. Rainfall records showed 58 mm of rain on the day of the incident, the probe agency said.

The court raised concerns about the building's safety violations, with the counsel for one of the victim's families urging the rejection of bail.

In response, the defence suggested that their father would contribute to compensation for the victims' families, following similar gestures made by other coaching centers.

While highlighting the non-functional stormwater drain system as a significant cause of the flooding, the defence claimed that the responsibility could not solely rest on the co-owners.

News box

Elon Musk shares Haitian woman's video to back Trump's 'eating pets' claim

World Tech titan Elon Musk has shared a TikTok video featuring an allegedly Haitian-descent woman describing reasons why Haitians eat cats. The post by Musk, who has endorsed Donald Trump for the US presidential election, comes as several media outlets are fact-checking claims made by the Republican that illegal immigrants from Haiti were eating pets in an Ohio city.

The woman, who goes by the name ebekah Faidia on TikTok, also speaks about the voodoo practices in Haiti, describing them as "truly demonic". The woman said her father immigrated from Haiti to the United States in the late 1960s as a teenager. "My father and I are now estranged, but I did know him in my very, very young years. When he immigrated, he was one person, and they weren't sending thousands of Haitians to one area... he said that the majority of the island does practice voodoo," the woman, who is believed to have been born in the United States, says.

In the video, the woman goes on to say that Haitians eat cats for two reasons -- survival and animal sacrifices for their religion.

"This is the poorest country in the Western hemisphere. You can't just go to a food bank like you can here (in the US)... People in the US have a really hard time imagining that type of thing, but it is true. Second, they do animal sacrifices for their religion, voodoo. They make these animal sacrifices to these gods for different reasons," she further says. Defending Donald Trump, the woman says it "is not racist" to acknowledge the problem. "You all just want to joke about Trump and say that he's crazy for saying that this is happening instead of actually checking at all to see if this is happening," she says. The matter came to the limelight after Trump claimed during his debate with Democratic presidential nominee Kamala Harris that illegal Haitian immigrants in Ohio were "eating dogs and pets".

US court dismisses two criminal counts against Donald Trump

Washington A Georgia judge on Thursday dismissed two criminal counts in the US state's 2020 election interference case against Republican presidential candidate Donald Trump and one other count against allies of the former president. Fulton County Judge Scott McAfee found that state prosecutors did not have the authority to bring those charges, which related to the alleged filing of false documents in federal court. McAfee allowed the remainder of the case to move forward, including eight charges against Trump, Trump and 14 co-defendants have pleaded not guilty to racketeering and other charges stemming from what prosecutors allege was a scheme to overturn Trump's narrow defeat in Georgia in the 2020 election. The case has been on hold since June while a Georgia appeals court considers whether the lead prosecutor, Fulton County District Attorney Fani Willis, must be disqualified over alleged misconduct tied to a romantic relationship she had with a former top deputy. Arguments in the appeals court are scheduled for December, meaning the case will not progress before the November 5 election when Trump faces Democratic Vice President Kamala Harris.

A separate federal case Trump faced for his efforts to overturn his election defeat nationally has also been slowed dramatically by a US Supreme Court ruling that found that presidents have broad immunity from criminal prosecution. Thursday's decision relates to allegations that Trump and his allies assembled a slate of fraudulent presidential electors and filed a civil lawsuit challenging the election results that contained false claims.

Nasa explains why keeping Sunita Williams, Butch Wilmore off Starliner was the 'right decision'

World. Boeing's Starliner capsule made a successful return to Earth over the weekend, marking a key moment in a mission marred by technical failures and delays. After departing from the International Space Station six hours earlier, the spacecraft parachuted into New Mexico's White Sands Missile Range, landing on autopilot in the desert darkness. While the landing was smooth, it followed months of drama, beginning with a June launch that should have been completed within eight days but extended into a lengthy mission due to persistent thruster malfunctions and helium leaks. The mission, which carried NASA astronauts Butch Wilmore and Sunita Williams to the ISS in June, was intended as Boeing's long-awaited crew debut. However, following a series of malfunctions aboard Starliner, NASA ruled the capsule too risky for the astronauts' return, opting to bring them home on a SpaceX Crew Dragon capsule in 2025 instead. This decision meant the astronauts would remain aboard the ISS until February, nearly eight months longer than originally planned. Despite the technical setbacks, NASA's commercial crew program manager, Steve Stich, praised the uncrewed capsule's performance, describing the return as a "bullseye landing."

Bomb threat rattles US city in Republican anti-migrant conspiracy

Springfield, United States. Government buildings and an elementary school in Springfield, Ohio were evacuated Thursday after an emailed bomb threat, police said, rattling the small US city at the heart of an anti-migrant conspiracy theory amplified by Donald Trump. Springfield has been thrust into the spotlight in recent days after an unfounded story of Haitian migrants eating pets went viral on social media, with the Republican ex-president and current White House candidate pushing the narrative despite it being debunked.

Democrats have accused Trump and his running mate, Ohio Senator JD Vance, of fanning racial tensions as they use the Springfield conspiracy theory to elevate immigration as a campaign issue ahead of November's election. Trump doubled down on the rhetoric during a campaign rally in Tucson, Arizona on Thursday, saying that "migrants are walking off with the town's geese." Immediately after mentioning Springfield in his speech, Trump added: "I'm angry about young American girls being raped and sodomized and murdered by savage criminal aliens," though provided no specific details. Springfield authorities said there were no credible reports of pets being harmed by members of the immigrant

community -- accusations that Trump also repeated in his Thursday debate against Democratic Vice President Kamala Harris. The White House condemned the claims on Thursday as "filth" and said they were endangering people's lives. On Thursday, Springfield police said that City Hall and several other government buildings had been evacuated after a bomb threat sent by email at 8:24 am (1224 GMT).

"Authorities investigated and cleared all facilities listed in the threat with the assistance of explosive detecting canines," the force said in a statement. Fulton Elementary School and Springfield Academy of Excellence were also listed in the threat and evacuated, according to the statement. "We are currently partnering with the Dayton office of the Federal Bureau of Investigation to identify the source of the email," it added.

TENSIONS IN COMMUNITY

Arriving at the school to retrieve his child, Haitian immigrant Mackenose Roseme told AFP that the current tensions in the community were "worrying." "I'm a little stressed. I think something might happen," he said. A sign in English, Spanish and



Haitian Creole informed Roseme and other parents that the students had been moved to a high school. Mayor Rob Rue told the Springfield News-Sun that the person who sent the bomb threat claimed to be from the city and mentioned Haitian immigration issues. Despite the bomb threats, Trump was still reposting memes related to the conspiracy theory hours later on his Truth Social platform. He claimed Ohio was being "inundated with illegal migrants, mostly from Haiti, who are taking over towns and villages at a level and rate never seen before." Springfield, with a population of about 58,000, has seen an increase in Haitian immigrants in recent years -- 10,000 to 15,000 according to the Springfield News-Sun. Social services, schools and housing

have been stressed in the city for years, with some pointing to migration as a factor. Ohio Governor Mike DeWine -- a Republican like Trump -- gave some context to the situation in Springfield during an interview Thursday. DeWine said 15,000 immigrants from Haiti live in Springfield, "a dramatic change" for the city, and added they were there under Temporary Protected

Status (TPS), which allows foreign nationals to live and work in the United States. "Why did they come? They came for jobs," DeWine told Fox News reporters. "There's nothing wrong with us being welcoming." A multiracial group of pastors called a press conference on Thursday in Springfield, joining hands in prayer and calling on the community to come together. "Today there were some things that happened, some threats of violence," Wes Babian, a former pastor of First Baptist Church, told AFP. "That is part of what motivated the quick calling of clergy to come together to express our support for the Haitian community and our concern for the well-being of the entire community."

Putin warns West against supplying Ukraine long-range missiles

Saint Petersburg President Vladimir Putin said on Thursday that the West would be directly fighting with Russia if it allowed Ukraine to strike Russian territory with Western-made long-range missiles, a move he said would alter the nature and scope of the conflict. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy has been pleading with Kyiv's allies for months to let Ukraine fire Western missiles including long-range US ATACMS and British Storm Shadows deep into Russian territory to limit Moscow's ability to launch attacks. In some of his most hawkish comments on the subject yet, Putin said such a move would drag the countries supplying Kyiv with long-range missiles directly into the war since satellite targeting data and the actual programming of the missiles' flight paths would have to be done by NATO military personnel because Kyiv did not have the capabilities itself. "So this is not a

question of allowing the Ukrainian regime to strike Russia with these weapons or not. It is a question of deciding whether or not NATO countries are directly involved in a military conflict," Putin told Russian state TV. "If this decision is taken, it will mean nothing less than the direct involvement of NATO countries, the United States and European countries in the war in Ukraine. This will be their direct participation, and this, of course, will significantly change the very essence, the very nature of the conflict." Russia would be forced to take what Putin called "appropriate decisions" based on the new threats. He did not spell out what those measures could be, but he has spoken in the past of the option of arming the West's enemies with Russian weapons to strike Western targets abroad and in June spoke of deploying conventional missiles within striking distance of the United States and its European allies. Russia, the world's

largest nuclear power, is also in the process of revising its nuclear doctrine - the circumstances in which Moscow would use nuclear weapons - and Putin is being pressed by an influential foreign policy hawk to change it to state Russia's willingness to use nuclear arms against countries that "support NATO aggression in Ukraine." Russia is also currently holding major naval exercises with China and considering curbs on major commodity exports. The West casts its discussion around whether it should allow Kyiv to use its long-range weapons to strike Russia as part of an answer to what it says is an escalation of the war by Moscow, which it says has received ballistic missiles from Iran. Tehran said the claims were "ugly propaganda." Russia invaded Ukraine in 2022 with tens of thousands of troops, triggering the biggest confrontation between Russia and

Boeing machinists vote to strike after rejecting pay increases of 25% over 4 years



SEATTLE (US). Machinists at Boeing voted Thursday to go on strike, another setback for the giant aircraft maker whose reputation and finances have been battered and now faces a shutdown in production of its best-selling airline planes.

The International Association of Machinists and Aerospace Workers said its members rejected a contract that would have raised pay 25% over four years, then voted 94.6% to reject the contract and voted 96% to strike. A two-thirds vote among 33,000 workers was needed to strike.

Very little has gone right for Boeing this year, from a panel blowing out and leaving a gaping hole in one of its passenger jets in January to NASA leaving two astronauts in space rather sending them home on a problem-plagued Boeing spacecraft.

As long as the strike lasts, it will deprive Boeing of much-needed cash that it gets from delivering new planes to airlines. That will be another challenge for new CEO Kelly Ortberg, who six weeks ago was given the job of turning around a company that has lost more than \$25 billion in the last six years and fallen behind European rival Airbus.

Ortberg warned machinists that a strike vote would put Boeing's recovery in jeopardy and raise more doubt about the company in the eyes of its airline customers.

'We Apologise, But We Can't': No Hilsa From Bangladesh For Bengalis in India This Durga Puja

Dhaka The not so humble hilsa, considered to be one of the best varieties of fish in the world, has now become a thorn between India and Bangladesh. The Bangladesh government has banned exports of the hilsa fish to India. The timing has come wrong for the Bengalis as Durga Puja is incomplete without the hilsa dish. While hilsa is available in India, the Bangladesh variety found in the Padma river, is known to be the best in the world. Bangladesh accounts for 70 per cent of the world's hilsa reserves. Speaking exclusively to News18, Bangladesh fisheries minister Farida Akhtar said, "We apologise but we can't allow hilsa to go to India. It's an



expensive fish and we notice that our own people are unable to have it as all goes to India and what is left behind is too expensive for our people. We, too,

celebrate Durga Puja, our people can also enjoy it here." Despite the huge demand for hilsa in Bangladesh and a ban, former prime minister Sheikh Hasina would, as a goodwill gesture, ensure that India would get at least 4,000 tonnes of hilsa ahead of Durga Puja. This has been criticised by Farida Akhtar, who said, "This was not needed. She should not have done this and just for the sake of good relations with India, she compromised the needs of the people of Bangladesh." Government sources in Bangladesh have said that this was a goodwill gesture which was much needed during these times when relations between India and

Edward Caban resigns as New York Police Commissioner amid federal investigation

New York New York City Police Commissioner Edward Caban resigned Thursday, one week after it emerged that his phone was seized as part of a federal investigation that touched several members of Mayor Eric Adams' inner circle.

Caban, who had been in charge of the nation's largest police department for about 15 months, said in an email to staff that he made the decision to resign after the "news around recent developments" had "created a distraction for our department." "I am unwilling to let my attention be on anything other than our important work, or the safety of the men and women of the NYPD," he added in the email obtained by The Associated Press. At a news conference Thursday, Adams praised Caban for "making our city safer" and said he had named Tom Donlon, a retired FBI official, as the interim police commissioner.

Donlon previously served as the chief of the FBI's National Threat Center and once led the Office of Homeland Security in New York, before starting his own security firm in 2020. He helped lead the investigation into the 1993 World Trade Center bombing

and investigated the 1998 US Embassy bombings and USS Cole bombing.

Donlon said in a statement he was "honoured and humbled" to head "the greatest law enforcement agency in the world," and that his priorities would include removing illegal guns from the community.

Caban's resignation marks the first high-level departure from the Adams administration since federal investigators seized phones Sept. 4 from several members of the mayor's inner circle, including two deputy mayors, the schools' chancellor, and one of Adams' top advisers. The subject of the investigation, which is being led by the US Attorney's office in Manhattan, remains unclear, as does whether federal authorities were seeking information linked to one investigation or several. Caban's lawyers, Russell Capone and Rebekah Donaleski, said in a statement Thursday they had been told by the government that "he is not a target of any investigation being conducted by the Southern District of New York, and he expects to cooperate fully with the government." The Justice Department defines a target of an investigation as

someone whom prosecutors or a grand jury have gathered substantial evidence against that links the person to a crime. That's in contrast to a subject, which is someone whose conduct is merely within the scope of the investigation. But those definitions are notoriously fluid and a person not seen as a technical target one day can become a target the next as new information develops. Federal authorities are also investigating Caban's twin brother, James Caban, a former NYPD sergeant who runs a nightclub security business, according to a person familiar with the matter. The person could not publicly discuss details of the ongoing investigation and spoke to AP on condition of anonymity. James Caban "unequivocally denies any wrongdoing," his lawyer, Sean Hecker, said in a statement. "His work -- as a consultant and acting as a liaison between the Department and a private company -- is perfectly legal, especially given his previous career as a NYPD officer," Hecker continued.

James Caban was fired by the NYPD in 2001 after he was heard on a recording illegally detaining a cab driver whom he accused of

stealing \$100 and threatening to seize his vehicle. According to people familiar with the matter, other officials whose devices were recently seized include First Deputy Mayor Sheena Wright; Philip Banks, the deputy mayor for public safety; his brother David Banks, the schools' chancellor; and Timothy Pearson, a mayoral adviser and former high-ranking NYPD official. The person spoke on condition of anonymity because they were not authorized to discuss the investigation. Adams, a first-term Democrat, was subpoenaed in July, eight months after federal agents seized his cell phones and an iPad while he was leaving an event in Manhattan. Federal authorities haven't publicly accused him or any officials of any crimes, and Adams has denied any wrongdoing.

The investigation that led to Edward Caban's devices being seized is not believed to be tied to a probe that led federal investigators to seize Adams' devices last November, according to two people familiar with the matter. They spoke on condition of anonymity because they were not authorized to speak publicly.

France slams Azerbaijan's 'arbitrary' jailing of graffiti sprayer

Paris this year accused

Azerbaijan of interfering in its internal politics by stoking tensions in overseas territories and dependencies -- including the Pacific archipelago New Caledonia, rocked by deadly unrest from mid-May.

PARIS. France on Thursday accused Azerbaijan of inflicting "arbitrary and discriminatory treatment" on one of its citizens, jailed for three years for spraying graffiti on the Baku metro.

"Theo Clerc was sentenced on September 10 by an Azerbaijani court to three years' detention... while his two co-defendants on exactly the same charges, with a different nationality, were sentenced only to a fine," a foreign ministry spokesman said in a statement. "France condemns the arbitrary and discriminatory treatment of which our fellow citizen is the victim," he added.

Paris, a longtime supporter of Armenia and home to a sizeable Armenian diaspora, has long had frosty relations with the country's arch-rival Azerbaijan. That has intensified since the second war between the neighbours over the breakaway Nagorno-Karabakh region in 2020 and Baku's seizure of control over the territory last year -- leading to the exodus of more than 100,000 Armenians.

Paris this year accused Azerbaijan of



interfering in its internal politics by stoking tensions in overseas territories and dependencies -- including the Pacific archipelago New Caledonia, rocked by deadly unrest from mid-May. Baku hosted a two-day congress of separatist movements from such French territories in July, at which

they agreed to set up an "International Front for the Liberation of French Colonies" and accused France of racism and repression. Paris said Thursday that citizens and dual nationals are "advised against travel to Azerbaijan unless it is imperative to do so, because of the risk of arbitrary detention and unfair court proceedings." Another Frenchman, Martin Ryan, is currently detained in Azerbaijan, accused of espionage, with Paris "categorically" rejecting the Azerbaijani accusations. International focus on Azerbaijan -- ruled by President Ilham Aliyev since the death of his father Heydar in 2003 -- is expected to increase in the next months as the gas-rich Caspian state hosts in November the COP 29 UN climate change conference.

NEWS BOX

La Liga: Former Celta Vigo captain Hugo Mallo found guilty of sexual assault

New Delhi Former Celta Vigo captain Hugo Mallo was found guilty of sexual assault on September 12 for a case dating back to 2019. The verdict was delivered by a Barcelona court, which ruled that Mallo, who currently plays for Greek club Aris, had sexually assaulted a woman working as the team mascot for LaLiga club Espanyol before a match in 2019.

The incident occurred when the players lined up to shake hands before the match, during which Mallo assaulted the woman who was dressed in Espanyol's parakeet mascot costume. The court's ruling not only found Mallo guilty of the charges but also directed him to cover all legal costs associated with the trial from his own pocket. Following the court's decision, the 33-year-old footballer issued an official statement denying any wrongdoing and announced his intention to appeal the verdict. Mallo's conviction has sent shockwaves through the football community, especially given his long-standing career at Celta Vigo, where he



served as captain before transferring to Aris. The La Liga club is yet to give out any statement on the matter. The case has drawn significant attention due to the nature of the allegations and the involvement of a high-profile athlete. The court's ruling underscores the seriousness with which such accusations are treated, even in the world of professional sports. Mallo's appeal process is expected to be closely monitored as it unfolds in the coming months. The incident highlights ongoing concerns about the behavior of athletes both on and off the field, and it serves as a reminder of the importance of maintaining professional conduct in all interactions.

AFG v NZ: Greater Noida rain forces 1st abandoned Test in 26 years, 8th in history

New Delhi The one-off Test match between Afghanistan and New Zealand was abandoned completely without a ball being bowled at the Greater Noida Sports Ground Complex. This became only the 8th Test in the history of cricket to be abandoned without a ball being bowled. The Afghanistan and New Zealand match at Greater Noida became the first Test in the 21st century to be abandoned due to rain in Asia. It was another day and the same fate as the persistent rains didn't allow Afghanistan and New Zealand to face each other for the very first time.

The Day 1 of the Test match was marred by heavy rain in the Delhi NCR region, which didn't allow teams to take the field. The next day witnessed a poor outfield at the Shaheed Vijay Singh Pathik Sports Complex, with the ground staff taking out the grass from practice pitches to use it on the main field.



The lacklustre drainage facilities at the venue further added to the woes as the ground was declared unfit by the umpires. The poor facilities, coupled with the inclement weather, led to the game eventually getting called off. In an official announcement, the Afghanistan Cricket Board said, "It is still raining in Greater Noida and due to frequent rain, the 5th and final day of Afghanistan vs New Zealand has also been called off by the match officials." This was only the 8th instance of a complete abandonment of a Test match. The first three happened between Australia and England in the Ashes in 1890, 1938 and 1970. The other four instances happened between 1989 and 1998.

What next for AFG and NZ

The ACB informed that the BCCI offered three venues to them, including Dehradun, Kanpur and Greater Noida. Looking at the connectivity between Kabul and Delhi, the Afghanistan board went ahead with Greater Noida because of its proximity to Delhi.

The Afghans will move to the UAE to host South Africa for a three-match ODI series, starting next week. Meanwhile, New Zealand will travel to Sri Lanka for a 2-match Test series before they return back to India for a 3-match Test series in October.

Carlos Alcaraz set to face Ben Shelton in Madison Square exhibition clash

Carlos Alcaraz headlines the star-studded Garden Cup at Madison Square Garden in December, facing Ben Shelton. With top players like Jessica Pegula and Emma Navarro, the event marks tennis' return to the iconic venue since 2018.

New Delhi Wimbledon 2024 and Roland Garros champion Carlos Alcaraz has been invited to participate in an exhibition match at Madison Square Garden in December, where he will face American star Ben Shelton. The event, known as the Garden Cup, will mark the first tennis event at Madison Square Garden since 2018 and will feature a star-studded lineup, including US Open runners-up Jessica Pegula and Emma Navarro. World No. 3, Alcaraz, has had an exceptional start to 2024, securing titles at Roland Garros and Wimbledon. However, he encountered challenges later in the season, losing the Paris Olympics gold medal match to Novak Djokovic, followed



by early exits from the Cincinnati Masters and the US Open. Currently, Alcaraz is competing in the Davis Cup for Spain to regain his winning momentum and has already begun his campaign with a significant victory. Shelton, who had a promising run at the US Open, saw his

journey come to an end in a thrilling five-set battle against Frances Tiafoe in the third round. Despite the loss, Shelton's performance has solidified his reputation as a rising star in the tennis world.

Jessica Pegula and Emma Navarro, who are also set to compete in the Garden Cup, had

remarkable showings at the US Open. Pegula reached her first Grand Slam final before falling to Aryna Sabalenka, while Navarro defeated defending champion Coco Gauff in the fourth round, eventually reaching the semifinals, where she too was defeated by Sabalenka.

Mbappe and PSG set for likely court battle after club refuses to clear wages

New Delhi Kylian Mbappé and Paris Saint-Germain (PSG) are poised for a legal showdown after the Ligue 1 club refused to settle unpaid wages owed to the French star. Mbappé, who recently completed a high-profile free transfer to Real Madrid, has accused PSG of withholding two months' salary and a third of the loyalty bonus he was entitled to after spending seven years with the club. The dispute has escalated quickly, with Mbappé filing a formal complaint to the French Commission, urging them to intervene. On Wednesday, representatives from both Mbappé and PSG met in Paris to discuss the matter, but the meeting ended in a stalemate. PSG, in a surprising move, denied Mbappé's claim and announced its intent to take further legal action if the player does not agree to a settlement. "As a matter of law and fact, the player has made clear, repeated public and private commitments that must be respected,



having been afforded unprecedented benefits by the club over seven years in Paris," PSG told Reuters. "The club looks forward to these being upheld in the proper forum, if the player seeks to pursue this incomprehensibly reputationally damaging matter further, in due course," PSG added. PSG's decision is reportedly rooted in the fact that Mbappé received numerous

benefits during his tenure with the club, which they believe justifies their stance. The club issued a statement explaining their position, emphasizing that their decision was based on what they consider a fair balance of the player's overall compensation package. Mbappé's move to Real Madrid on a free transfer is widely regarded as one of the most significant deals in football history, given his status as a 2018 FIFA World Cup winner and one of the sport's brightest stars. However, his departure from PSG, a club where he rose to global fame, has been marred by this financial dispute, leaving a bitter aftertaste to an otherwise illustrious chapter in his career. As the situation unfolds, the football world watches closely, as this legal battle between a global superstar and one of Europe's biggest clubs is likely to set significant precedents in the sport.

'Played like performers not participants': PM Modi praises Paralympics stars

New Delhi Prime Minister Narendra Modi heaped praise on India's Paralympic athletes, celebrating their remarkable achievements at the Paris Paralympics and emphasizing the shift in India's mentality toward competing to win, rather than just participating. During a meeting at his residence in New Delhi on September 12, PM Modi praised the para-athletes for instilling a winning attitude in the country's athletic setup, crediting their inspiring journeys for transforming the nation's approach to international competition. India's para-athletes had an exceptional campaign at the Paris Paralympics, securing 29 medals—seven golds, nine silvers, and 13 bronzes—an impressive improvement over their previous best tally of 19 medals at the Tokyo 2021 Paralympics. The historic performance saw India finish 18th in the overall medal table, establishing the country as a rising force in para-sports. "All of you have not only won medals, but have also changed the mindset... Nowadays, medals at the Games



and everything has a lot of importance and are indeed counted. But being a country with a population of 140 crores, we go to the Games not just to play but to win," PM Modi said. "I am not a participant but a performer" - This mindset turns into a strength of a country, and you have brought a new flair in that strength. Congratulations on your achievements and I am really happy to see your mood," PM Modi added.

The meeting with PM Modi, which lasted over an hour, provided a platform for the para-athletes to share their success stories. The Prime Minister was particularly impressed by the achievements in track-and-field events, which contributed 17 medals, including four golds. PM Modi himself gave a heart-warming speech to the stars, congratulating them for their historic triumph.

Usman Khawaja picks Travis Head as Australia's opener for Border Gavaskar series

New Delhi Australia's Test opener Usman Khawaja picked Travis Head as his opening partner for the upcoming Border Gavaskar Trophy series. With David Warner's retirement from international cricket, who was opening across the formats for more than a decade, he left a spot that seemed tough to fill in. Australia's star batter Steve Smith raised his hands to fill in for the Test opener spot, but could not impress in his limited outings at the top of the order. Khawaja wanted Smith to bat at No. 4 against India in Tests. The opener felt that Smith batting at the No. 4 position would give the hosts the best chance to beat heavy-weighted India.

"He'll just probably never say it," the opener laughed this week. "So I'll say it for him." Opening is a very important spot (but) I still think we have the best Test player of my era in the side, in Steve Smith, and his best spot has been number four. I feel like that's his best spot. I feel like the best balance for



our team is (Marnus) Labuschagne three, Smith four. For me, the number one consideration is 'what's best for the team?'. What order scores us the most runs? And if you look at how many runs we scored with Davey Warner in the team and Smudge batting at four, we scored a lot of runs," Khawaja told Fox Sports.

Who should open vs India?

The former World No. 1 batter took up the opening spot after David Warner's retirement and has averaged 28.50 in four Tests, contrary to his overall average of

56.97. Steve Smith has played four Tests as an opener in 2024 -- two against the West Indies and two against New Zealand -- and has managed just one fifty-plus score. "With Smudge opening, we've still won games, but I don't think we've scored as many runs as we could've. And when things are in his favour," Khawaja said, "he's almost unstoppable".

Khawaja picked Head as Australia's other Test opener, because of the kind of form he has been and his boasting history against India.

Can Travis Head make comeback?

"At the end of the day, it's a decision for the selectors. But if you have me opening, Labuschagne three, Smith four, I feel like Travis Head might be best suited. He's obviously been very successful opening the batting in one-day cricket and, breaking it down, I'd probably lean towards him."

Head has been in the form of his life as he scored 23-ball 59 in the 1st T20I against England, which also included 30 runs off Sam Curran's over.

In pics: Gambhir leads Indian team's huddle in Chennai for Bangladesh Test series

Gautam Gambhir led the Indian team's huddle as the Test squad reached Chennai ahead of the 1st match vs Bangladesh. The opening Test will be played on September 19.

New Delhi. The Indian team has regrouped ahead of the big home season as they will take on Bangladesh for a 2-match Test series. This will also be the first assignment of India's new coaching staff, which recently included Mome Morkel as the bowling coach. The official social media handle of the BCCI shared glimpses of India's first training session from M Chidambaram Stadium in Chennai. The caption read, "The countdown starts as Team India begin their preps for an exciting home season.

It was a bright sunny morning at Chepauk as the Indian team huddled before the start of



training. Gambhir, alongside assistant coach Abhishek Nayar and Morkel, addressed the Indian team. All the star players, including captain Rohit Sharma, Virat Kohli and ace pacer Jasprit Bumrah returned to the side. Kohli and Rohit landed in Chennai during the wee hours of Friday

morning, September 13.

Team India in Chennai

Kohli flew directly from London, where he spent quality time with his family and Rohit arrived from Mumbai. The Indian team regrouped after a month-long break from international cricket and many players like

Shubman Gill, Axar Patel and KL Rahul took part in round one of the Duleep Trophy. The Test series also marked the return of Rishabh Pant to red-ball cricket, a format in which he flourished and played many match-winning knocks.

The upcoming 10 Test matches will be crucial for India in order to stand a chance to make it to the World Test Championship final, which will be held in June 2024 at Lord's Cricket Ground.

India will host Bangladesh, followed by New Zealand for a 3-match Test series. Their main challenge will be the 5-match Border Gavaskar Trophy series against Australia, starting November this year.

India squad for 1st Test against Bangladesh

Rohit Sharma (C), Yashasvi Jaiswal, Shubman Gill, Virat Kohli, KL Rahul, Sarfaraz Khan, Rishabh Pant (WK), Dhruv Jurel (WK), R Ashwin, R Jadeja, Axar Patel, Kuldeep Yadav, Mohd. Siraj, Akash Deep, Jasprit Bumrah, Yash Dayal.

Prachi Desai's

36th Birthday, A Look At Her Career And Personal Life

Actress Prachi Desai is a popular face in the Indian entertainment industry. She gained prominence with her performance in the 2006 TV serial Kasamh Se. She was seen alongside Ram Kapoor and their onscreen chemistry created quite a buzz in the television world. The actress portrayed the role of Bani which is still remembered by the audience. From the television industry to the film industry, Prachi has left her mark with her acting skills. Today, the actress is celebrating her 36th birthday and on that occasion let us know more about her in this article.

Prachi doesn't often share much about her personal life in front of the media. She had been an active face in the entertainment industry. The actress appeared in the 2012 film Bol Bachchan directed by famous director Rohit Shetty. During the shooting of the film, several rumours emerged which stated that Prachi Desai and Rohit Shetty were dating. The media reports also stated that their closeness almost led to Rohit Shetty's divorce, but eventually, he reconciled with his wife and ended his relationship with Prachi.

The actress reportedly fell in love twice but both times, her relationships didn't last and she experienced betrayal. In an old interview with Filmfare, she mentioned that she is a very sensitive person and when she falls in love, she tends to forget everything. Sharing an experience she mentioned that once she was dating someone and for him she travelled to several countries before realising that she was betrayed.

Prachi said, "I have flown to several countries for someone. When I spoke to him on the phone, he said he was in a particular country. I believed him and flew across to give him a surprise. Later I realised that he was lying. He is never at the places he mentioned over phone calls." Talking about her acting career, she worked in several well-known films like Rock On!!, Once Upon a Time in Mumbai, Teri Meri Kahaani, Azhar and Silence: Can You Hear It?



Hina Khan Seeks Bappa's Blessings Amid Breast Cancer Treatment



Amidst the challenging journey of undergoing chemotherapy for Stage Three breast cancer, actress Hina Khan made a poignant appearance at producer Ektaa Kapoor's Ganeshotsav celebration. The pictures shared by social media personality Rizwan Bachav feature Hina in a white and yellow co-ord set. She is happily posing with other TV celebrities, who were present for the festive celebration. The snaps also feature Divyanka Tripathi and her husband Vivek Dahiya, Anita Hassanandani Reddy, Krystle D'Souza, Rithvikk Dhanjani, Ridhima Pandit, Shabir Ahluwalia and Kanchi Kaul.

In another boomerang video, we can see Hina posing with actor Sahil Anand. Sahil has captioned the post as: "Bappa blessings". Hina posted a sticker to the post: "Love and Friends". On September 11, Hina had shared an update about her health, revealing that her 'Mucositis' is much better, and thanked fans for sending lots of love to her. In a note, she wrote: "This is for each one you.. My Mucositis is much better.. I read all your comments and suggestions.. You all hv been a great great help.. Sending you all tons of love".

Best known for her role as Akshara in 'Yeh Rishta Kya Kehlata Hai', Hina has participated in 'Fear Factor: Khatron Ke Khiladi 8', 'Bigg Boss 11', and 'Bigg Boss 14'. She has also been a part of the movies like 'Hacked', 'Wishlist', and a short film 'Smartphone'. The diva has starred in music videos like 'Bhasoodi', 'Raanjhana', 'Humko Tum Mil Gaye', 'Patthar Wargi', 'Baarish Ban Jaana', 'Main Bhi Barbaad', 'Mohabbat Hai', 'Barsaat Aa Gayi', and the recent track by Asees Kaur, and Saaj Bhatt- 'Halki Halki Si'. Hina had also recently made her Punjabi film debut with 'Shinda Shinda No Papa', alongside Gippy Grewal. She next has 'Country of Blind' in the pipeline.

Vicky Vidya Ka Woh Wala Video Trailer: Rajkumar, Triptii's Marriage Turns Chaotic In This Comedy



Rajkumar Rao and Triptii Dimri will be sharing the screen together for the first time in Raaj Shaandilyaa's film. The film's much-awaited trailer is finally out now and it has only piqued fans' interest in the film. The teaser takes us into the 90s and promises that the film will be '97% parivarik' and '3% maha parivarik'. As per the trailer, the story revolves around a CD containing an intimate video of a couple that leads to chaos in a small town. Watch the trailer here: Vicky and Vidya get married in 1997 and he convinces her to make a suhaagraat video. However, the CD gets stolen and chaos ensues in Vicky and Vidya's lives. The film promises to be a comedic journey as Vicky and Vidya try to retrieve the video.

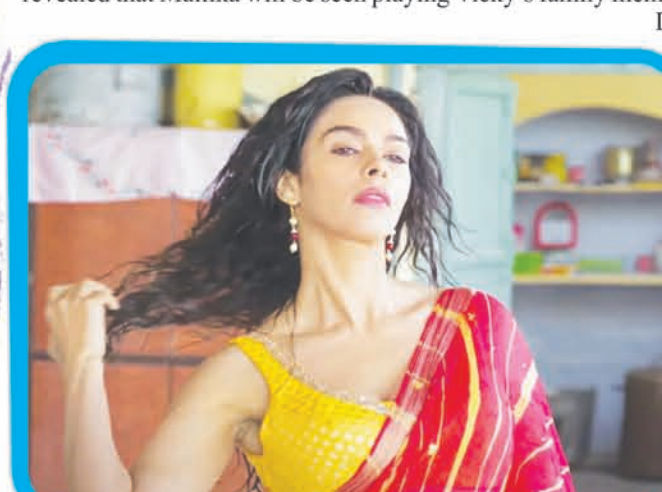
In another exciting update about the film, Sachin Sangvi of Sachin-Jigar composer duo, exclusively told News18 Showsha that the film will also mark Adnan Saami's return to Bollywood after nine years.

Talking about Adnan's return to Bollywood, Sachin told us, "I was born in the 80s. I was in my teen years in the 90s. So, I've lived every bit of the music of the 90s. The songs of that decade have left a strong impression on me and so, one of the songs in the film is sung by Adnan Sami." While most details about the track are still kept under wraps, it will surely be interesting to see Rajkumar and Triptii bringing it to life onscreen. Sharing his excitement about the song and the joy of working with the Noor E Khuda and Baatein Kuch Ankahein Si hitmaker, Sachin further added, "I truly cherish the fact that we could do this because my god, haven't we enjoyed his melodies and his reign! What a talent and what a person he is! It was just amazing to work with him. So, be assured that those times are coming your way again." Vicky Vidya Ka Woh Wala Video is produced by Bhushan Kumar's T-Series. The film will be out in theatres on October 11. The anticipation for the film is high after Rajkumar Rao's performance in the juggernaut, Street 2, also starring Shraddha Kapoor. As for Triptii, she was last seen in Bad Newz with Vicky Kaushal and Amy Virk.

Mallika Sherawat

Is the Biggest Surprise of Vicky Vidya Ka Woh Wala Video, Has a Welcome Style Role

The trailer of Vicky Vidya Ka Woh Wala Video released on Thursday and one of the biggest surprises of the trailer was Mallika Sherawat. The actress, who is known for films such as Murder and Pyaar Ke Side Effects, has a prominent role in the Rajkumar Rao and Triptii Dimri led film. The makers had kept her casting under the wraps for a while now, making her appearance an impactful surprise. The trailer revealed that Mallika will be seen playing Vicky's family member. Vicky is played by Rajkumar Rao.



Director Raaj Shaandilyaa seemingly gave nod to her iconic appearance in 'Welcome' in the film. Much like the Akshay Kumar starrer, Vicky Vidya Ka Woh Wala Video also seems to feature her as one of the family members who everyone has the hots for. The trailer also showed Vijay Raaz's character falling head over heels for her, bringing back memories of Majnu and Uday from Welcome.

Mallika was last seen in RK/RKay, which released in 2022. She took a five-year break before that. Besides Bollywood, she has also worked in international projects such as Hiss, Time Raiders, and Dirty Politics. Vicky Vidya Ka Woh Wala

Video is set in the 90s and features a newlywed couple, Vicky and Vidya. One night, they decide to film themselves getting intimate. Unfortunately for them, the CD gets stolen. The film promises to keep you entertained with the events that unfold while searching for the stolen CD. The film stars Rajkumar Rao, Triptii Dimri, Mallika Sherawat, Archana Pura Singh, Archana Patel, Rakesh Bedi, Mukesh Tiwari, Tiku Talsania, Mubeen Saudagar, and Jaswant Singh. The film is produced under the banners of T-Series, Balaji Telefilms, and Wakaoo Films, in association with Kathavachak Films. Vicky Vidya Ka Woh Wala Video is coming to theaters near you on October 11, 2024.

